इन्टरव्यू-९

प्रः आपका नाम क्या है ?
जः मेरा नाम जन्नत बीबी है, आजाद नगर बजरडीहा में रहती हूं।

प्रः लोन कभी नहीं लिए ?
जः नहीं कमाई ही नहीं है तो लोन मिलेगा क्या। उसमें भी आधा पैसा खा जाते हैं छः साल पहले पुलिस लोग आक हमारा सब तोड़ दिए करघा- सब तोड़ दिया, लोगों को धर कर ले गई सब नुकसान हम लोगों का हुआ।

प्रः कोई मुवाअजा नहीं मिला ?
जः नहीं कुछ नहीं मिला। और पुलिस सरकार भेज देती है कि जाओ उनको लूटों जो रखे भी है तो पुलिस लूट ले जाती है। गल्ला वगैरह सब लूट जाते हैं। हम लोग कमाते नहीं है जो गद्दीदार हैं वो कमाते है क्योंकि एक जगह से साड़ी लेकर दूसरी जगह दूसरी जगह से लेकर तीसरी बेचने पर उन्हे फायदा है। हम लोगों को तो पैसा ही नहीं कि बिनाई ही करे इसमें बहुत पैसा लगता है।
रूकावट

प्रः अपने से अगर साड़ी शुरू करना हो तानी सूत सब लेकर तो कितना लग जायेगा ?
जः 50 हजार लग सकता है गरीब आदमी के बस की बात नहीं जिसके पास ज्यादे पैसा है वो लोगों से बिनवाता है।

प्रः आप लोग ये गृहस्था से लेते हैं कि गृहस्था से ?
जः सब गृहस्था से लेते हैं बस हम साड़ी बिनकार दे देते है। केवल बनवाई मिलती है। कहीं बन कर गया तो बनवाई मिल गई नहीं तो वे भी नहीं मिलता। तार है मसाला है जैसा है पैसा नही मिलेगा करेंगे पैसे के लिए की कल आओ परसों आओं, दौड़ा देते हैं घर में एको चीज़ है नहीं अब कैसे काम चलेगा। हां हमारे पास इतना पैसा होता तो हम बिनवाते। इन लोगन भी अपना नहीं बना रहे हैं बस इन लोगन के खाली मजूरी मिलेगी।

प्रः अच्छा ?
जः ऐसा नहीं कि हम एक साड़ी में एक हजार लगावा तो दुई हजार मिल जाई। 500 रुपया एक साड़ी के मजूरी मिल जाई। बस हम जी रहे हैं समझो।

प्रः मतलब तानी सुत सब आपको मिलता है ?
जः हां मेहनत इन लोगन का सब है। गरीब से कोई मतलब नहीं अब सरकार ही जब ध्यान नही देती। जब इलेक्शन होते चलो भैया हमे दो वोट देकर भी का फायदा है कोई काम तो ये लोगन करते नहीं कि चलो भैया ये लोगन के कुछ आमदनी करे कुछ सरकार से बतियावै। जब कुछ करि है तब न होई है आटा महंगा सब चीज़ का दाम ज्यादा हो जाई गद्दी त तोहें मिली है हमें क्या मिली है ? हमहु के भी तो कुछ मिलना चाहिए बताओ आप ही बताओ।

प्रः नहीं आप ठीक कह रही है ?
जः तो आप जो है कोशिश करके हां।

प्र: हम तो आपके बात को पहुंचा देंगे। हम कुछ कर नहीं सकते ?
ज: बात तो पहुंचाना नही होगे। वो के समझेके है कि हम जब भेजा है लोग के तो बाते के वास्ते ना भेजा है। अब करे ना करे ओ के ऊपर है। लड़की के शादी कर के है। दान दहेज जेवर।

प्र: आपका करघा एक ही है ?
ज: मतलब।

प्र: मतलब कि ये करघे आपके हैं ?
ज: नही ऐ लोगन किनते है। ये सब इनका अपना अपना है हमारा बस यही एक है।

प्र: ये करघे किसके हैं ?
ज: ये जो बीन रहा है उसका अपन अपना।

प्र: ये तो बोले कि ये मजदूर है ?
ज: ये कारखाना हमारा ही है मतलब कि बस यह जगह हमारी है। समझ में आई।

प्र: नहीं समझ में नहीं आया जैसे बहुत सारे जगहों पर करघे बहुत सारे है बस वे मजदूर रख लिये है ?
ज: नही नहीं यहां जो लोग काम कर रहे हैं अपना लिया लिया के कर रहे है हमारे यहां कोई मजदूर वजदूर नहीं है।

प्र: ये कह रहे कि ये मजदूरी कर रहे है ?
ज: (एक दूसरा पुरूष आवाज) मतलब ये काम ले आके कर रहे है। ये जगह जो है हमारी भुआ जी का हैं। ये जगह किराये पे लेकर सब काम कर रहे हैं। इनकी पांच लड़कियां और एक लड़का है बड़ी।

प्र: अच्छा ये करघा किराये पर लाकर यहां काम कर रहे हैं ?